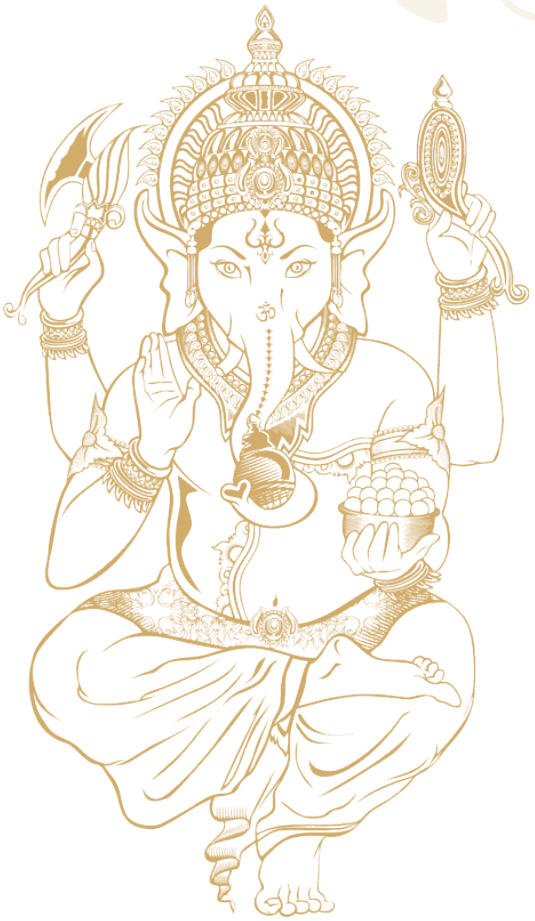

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/01/2026	जन्म तिथि	10/01/2026
शनिवार	दिन	शनिवार
घंटे 08:18:00	जन्म समय	08:18:00 घंटे
घटी 02:36:14	जन्म समय(घटी)	02:36:14 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:15:30	सूर्योदय	07:15:30
17:42:03	सूर्यास्त	17:42:03
24:13:20	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:20

विंशोत्तरी चन्द्र 2वर्ष 9मा 21दि चन्द्र 10/01/2026 01/11/2028		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी चन्द्र 2वर्ष 9मा 21दि चन्द्र 10/01/2026 01/11/2028	
	00/00/0000	11:32:06	मक	लग्न	मक	11:32:06		00/00/0000
	00/00/0000	25:38:06	धनु	सूर्य	धनु	25:38:06		00/00/0000
	00/00/0000	19:35:19	कन्या	चंद्र	कन्या	19:35:19		00/00/0000
	00/00/0000	25:28:47	धनु	मंगल	धनु	25:28:47		00/00/0000
	00/00/0000	18:35:23	धनु	बुध	धनु	18:35:23		00/00/0000
	00/00/0000	25:55:08	मिथु व	गुरु व	मिथु	25:55:08		00/00/0000
	00/00/0000	26:27:14	धनु	शुक्र	धनु	26:27:14		00/00/0000
	00/00/0000	02:32:20	मीन	शनि	मीन	02:32:20		00/00/0000
	10/01/2026	16:06:11	कुंभ	राहु	कुंभ	16:06:11		10/01/2026
बुध	31/01/2026	16:06:11	सिंह	केतु	सिंह	16:06:11	बुध	31/01/2026
केतु	01/09/2026	03:30:20	वृष व	हर्ष व	वृष	03:30:20	केतु	01/09/2026
शुक्र	02/05/2028	05:25:13	मीन	नेप	मीन	05:25:13	शुक्र	02/05/2028
सूर्य	01/11/2028	08:46:37	मक	प्लूटो	मक	08:46:37	सूर्य	01/11/2028

लग्न-चलित

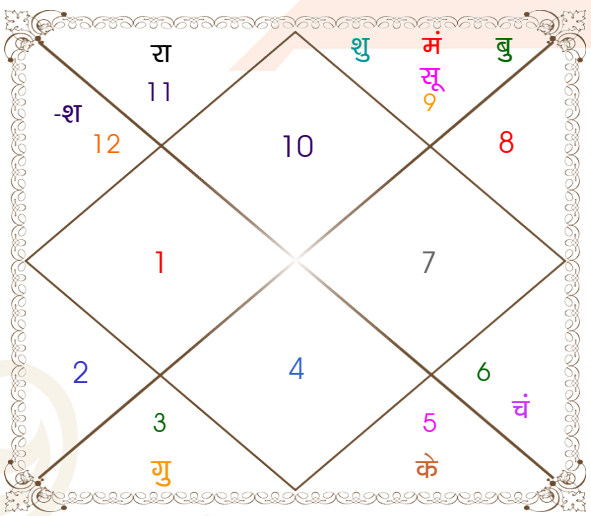

लग्न-चलित

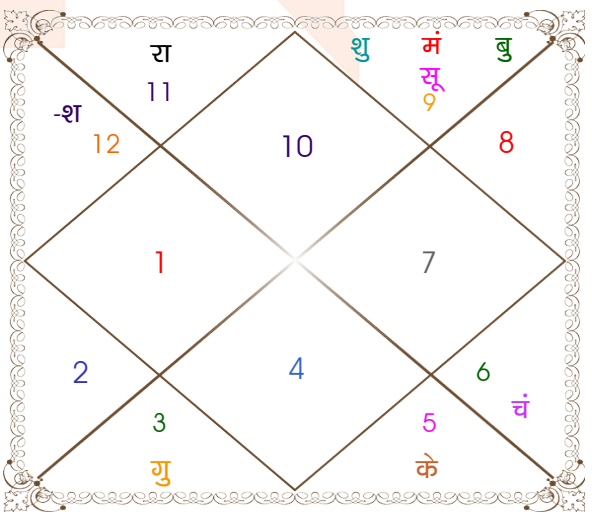

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	महिष	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Mr. का वर्ग श्वान है तथा Ms. का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।